भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 955

08 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

955. श्री लल्लू सिंहः
डॉ. भारतीबेन डी. श्यालः
श्री तेजस्वी सूर्याः
श्री तापिर गावः
श्री शंकर लालवानीः
श्री राम कृपाल यादवः
श्री रविन्दर कुशवाहाः
श्री संजय भाटियाः
श्री रवि किशनः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 से संबंधित ब्यौरा क्या है;

(ख) इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(ग) लिवेबल इनक्लूसिव फ्यूचर रेडी अर्बन इंडिया 2.0 (एम्प्लीफी 2.0) पोर्टल के आकलन और निगरानी प्लेटफॉर्म का ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं; और

घ) इस पोर्टल में शामिल किए गए शहरों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इसके अब तक के परिणाम क्या हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री कौशल किशोर)

(क) : स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0, 1 अक्टूबर, 2021 को शुरू किया गया जिसका उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), पुराने डंपसाइटों के निपटान, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन आदि के माध्यम से अगले पांच वर्षों में 'कचरा मुक्त

शहरों' के विजन को प्राप्त करना है। एसबीएम-यू 2.0 का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) घटक सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएं (एमआरएफ), ट्रांसफर स्टेशन, खाद संयंत्र, जैव-मेथेनेशन संयंत्र, रिफ्युज्ड डेराइव्ड फ्यूल(आरडीएफ) प्रोसेसिंग सुविधाएं, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं, कचरे से बिजली संयंत्र, निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट संयंत्र, सैनिटरी लैंडफिल, मशीनीकृत स्वीपिंग उपकरण और सभी शहरी स्थानीय निकायों में सभी पुराने डंपसाइटों की जैव-निपटान/कैपिंग जैसी सुविधाओं को व्यवस्थित करने में सहायता प्रदान करता है।

(ख) : स्वच्छ भारत मिशन शहरी पूरे शहरी भारत में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। डिजिटल उपकरण और समाधान प्रगति की निगरानी करने और एसबीएम शहरी घटकों के मूल्यपरक परिणाम प्राप्त करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। एसबीएम-यू घटक की अवधि के विभिन्न चरणों में डिजिटल उपायों को चिन्हित किया जाता है, जो संकल्पना, कार्यान्वयन से शुरू होकर रखरखाव तक होते हैं। एसबीएम-यू 2.0 दिशानिर्देश अनुसंधान और डिजाइन (आरएंडडी) में निवेश और सरकारी-ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल में सुविधा के माध्यम से स्थानीय नवीन, किफायती प्रौद्योगिकी समाधान स्टार्टअप द्वारा स्वच्छता में बिजनेस मॉडल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अपनाने में प्रोत्साहित किया गया है।
अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में उद्यमियों और स्टार्टअप के विकास के लिए एक बेहतर वातावरण को बढ़ावा देने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सहयोग से 27 जनवरी, 2022 को 'स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज' शुरू किया था।

(ग) और (घ) : आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्मार्ट सिटी मिशन के तत्वावधान में एएमपीएलआईएफआई 2.0 (असेस्मेंट एंड मोनिट्रिंग प्लेटफॉर्म फॉर लिवबल, इन्क्लूसिव एंड फ्यूचर-रेडी अर्बन इंडिया) पोर्टल शुरू किया है जिसका उद्देश्य डेटा-आधारित नीति-निर्माण, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं को सशक्त बनाने और शहरी विकास में हितधारकों को शामिल करना है। अर्बन आउटकम फ्रेमवर्क 2022 के भाग के तौर पर 440 से अधिक पैरामीटरों के 14 क्षेत्रों के संबंध में 200 से अधिक शहरों का डेटा एकत्र किया गया है और सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध करवाया गया है।

*****